सोहंग शिखर में जाय मिले निज मेवा

सोहंग शिखर में जाय,
मिले निज मेवा,
जीवित मोक्ष मिल जाय,
करम ने तजणा है ओ जी।bd।

अके कवल के माई,
अनगढ़ देवा,
वहां होता निज प्रकाश,
अखण्ड ज्योति जलती है ओ जी।bd।

दस दरवाजा बाद,
ढोल गुंजेलां,
वहां वाजें मदरगं ताल,
करम तो ऐसा हैं ओ जी।bd।

लिगं भंग के बीच,
राम जी मेरा,
पण नुगरा मानें नाय,
कर्म नीच करता है ओ जी।bd।

मनक जनम की मोज,
फेर नहीं आवे,
गुण गावें गोरख नाथ,
गुरासा सेवा है ओ जी।bd।

सोहंग शिखर में जाय,
मिले निज मेवा,
जीवित मोक्ष मिल जाय,
करम ने तजणा है ओ जी।bd।

गायक – जगदीश चन्द्र जटिया।
मोबाइल – 9950647154

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com